पाक्षिक

खबर आस पास

भारत सरकार से मान्यता प्राप्त समाचार पत्र

'जिस व्यक्ति ने कभी गलती नहीं की, उसने कभी कुछ नया करने की कोशिश नहीं की।'

संपादक :सत्येन्द्र राजवंशी मो. 9587570001 Email : khabaraaspass@gmail.com

वर्ष : 1 | अंक : डिजिटल | बीकानेर : बुधवार 08 जुलाई 2026 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : 1.00 रुपया

जयपुर- सड़क किनारे परिवार पर चढ़ा ट्रेलर, 4 की मौत

बच्चों के शव टुकड़ों में नाले में गिरे, चारों ओर मांस बिखरा, मां के दोनों पैर कटे

जयपुर कासं। जयपुर में तेज रफ्तार ट्रेलर ने फुटपाथ पर बैठे एक परिवार के 5 लोगों को कुचल दिया। हादसे में तीन बच्चों और पिता की मौत हो गई।

मां के दोनों पैर कट गए। हादसा इतना भीषण था कि बच्चों के शवों के चिथड़े उड़ गए। एक बच्चे के शव के दो टुकड़े हो गए। सभी लोग नाले में गिर गए।

हादसा श्याम नगर थाना क्षेत्र के 200 फीट बाईपास पर कमला नेहरू नगर में मंगलवार सुबह 8:46 बजे हुआ। मृतकों की पहचान राजसमंद के जैतपुरा का निवासी चंद्रप्रकाश और उनके बेटों रमेश (11), दीपक (8),रतन (10) के रूप में हुई है।

चंद्रप्रकाश की पत्नी कैलाशी गंभीर रूप से घायल है। कैलाशी के दोनों पैर कट गए हैं। एसएमएस हॉस्पिटल के ट्रॉमा में इलाज चल रहा है।

गांव जाने के लिए बस का इंतजार कर रहा था परिवार

हादसे का शिकार बागरी समाज का परिवार वैशाली नगर में किराए के मकान में रहता था। फुटपाथ पर झाड़ू बनाकर बेचता था। आज सुबह गांव जाने के लिए बस का इंतजार कर रहा था।

इसी दौरान ट्रेलर रेलिंग को तोड़ते हुए माता-पिता और तीनों बच्चों को कुचल दिया। तीनों बच्चों की मौके पर ही

मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल माता-पिता को हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया। पिता की इलाज के दौरान मौत हो गई।

हादसे के बाद ड्राइवर और खलासी मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना पर श्याम नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से मृतकों और घायलों को नाले से निकाला। क्रेन की मदद से दुर्घटनाग्रस्त ट्रेलर को सड़क से हटाया गया।

नाले के चारों तरफ मांस के लोथड़े फैले

4 की मौत का जिम्मेदार ड्राइवर तेज स्पीड से ट्रेलर चला रहा था। ट्रेलर ने बेकाबू होकर नाले पर बने फुटपाथ पर बैठे लोगों को कुचल दिया। नाले पर चारों तरफ मांस के लोथड़े बिखरे नजर आए।

पुल से रॉन्ग साइड आने से होता है हादसा

स्थानीय लोगों ने बताया कि पुल से लोग रॉन्ग साइड जाते है, इसलिए हादसे का शिकार हो जाते हैं। दूसरा कारण सामने से आने वाले वाहनों की स्पीड तेज होना भी है।

परिवार गांव जाने के लिए बस का इंतजार कर रहा था

ट्रैफिक एसएचओ अमिर हसन ने बताया- ट्रेलर तेज स्पीड में दिल्ली हाईवे की तरफ से आ रहा था, ट्रेलर में पीओपी भरा हुआ था। परिवार वैशाली में किराए के मकान में रहते था। जहां हादसा हुआ वहां से वह जैतपुरा राजसमंद जाने वाली बस का इतंजार कर रहे थे। पुलिस मामले में घटना के कारणों की जांच कर रही है।

एडिशनल डीसीपी बोले- हादसे में 4 की मौत

एडिशनल डीसीपी ललित शर्मा ने बताया- सुबह 8.45 बजे की घटना है। ट्रेलर दिल्ली से अजमेर की ओर जा रहा था। दंपती और उनके तीन बच्चे नाले के पास खड़े थे। ट्रेलर ने सभी को टक्कर मार दी। तीन बच्चों की मौके पर मौत हो गई। सूचना मिली है कि महिला के पति की भी मौत हो गई है। हादसे में कुल चार लोगों की मौत हो गई। महिला का इलाज चल रहा है।

अयोध्या में राम मंदिर ट्रस्ट पर एसआईटी का शिकंजा, प्राण प्रतिष्ठा समेत 124 करोड़ के खर्च की जांच

नई दिल्ली एजेन्सी। स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) ने राम मंदिर ट्रस्ट द्वारा बड़े कार्यक्रमों पर खर्च किए गए 124 करोड़ रुपये से ज़्यादा की रकम की जांच का दायरा बढ़ा दिया है। इन कार्यक्रमों में जनवरी 2024 का प्राण-प्रतिष्ठा समारोह, 2025 के महाकुंभ से जुड़ी तैयारियां और नवंबर 2025 में हुआ ध्वजारोहण समारोह शामिल हैं। सूत्रों के मुताबिक,

सूत्रों के मुताबिक, एसआईटी एक बड़े ऑडिट के हिस्से के तौर पर खर्चों की जांच कर रही है और अभी तक वित्तीय गड़बड़ियों को लेकर किसी नतीजे पर नहीं पहुंची है। इस कवायद का मकसद ट्रस्ट की वित्तीय प्रक्रियाओं और मंज़ूरी देने के तरीकों के पालन की पुष्टि करना है।

यह विस्तृत जांच ऐसे समय में हो रही है जब श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट दान में चोरी के विवाद में घिरा हुआ है। उत्तर प्रदेश सरकार ने श्रद्धालुओं के चढ़ावे में हेराफेरी के आरोपों की जांच के लिए एक स्क्वॉड बनाई थी, जिसके बाद कई आरोपियों को गिरफ़्तार किया गया। तब से जांच का दायरा कथित चोरी से आगे बढ़कर ट्रस्ट के वित्तीय सिस्टम, खर्च के रिकॉर्ड और मंज़ूरी की प्रक्रियाओं की जांच तक फैल गया है। इस विवाद की वजह से ट्रस्ट में पहले ही बड़े बदलाव हो चुके हैं। सोमवार को ट्रस्ट ने जनरल सेक्रेटरी चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा के इस्तीफ़े स्वीकार कर लिए डोनेशन चोरी के विवाद के बीच इन दोनों ने अपने पद छोड़ दिए थे। ट्रस्टी कृष्ण मोहन को अंतरिम जनरल सेक्रेटरी नियुक्त किया गया, साथ ही ट्रस्ट ने निगरानी मज़बूत करने और जनता का भरोसा फिर से कायम करने के लिए बड़े पैमाने पर प्रशासनिक समीक्षा की भी घोषणा की।

जांच के दायरे में सबसे बड़ा खर्च 22 जनवरी, 2024 को राम लला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह से जुड़ा है, जिसके लिए ट्रस्ट ने लगभग 113 करोड़ रुपये खर्च किए। इस कार्यक्रम में लगभग 8,000 मेहमान शामिल हुए थे। इसमें नए बने मंदिर में राम लला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की गई और यह हाल के वर्षों में देश में हुए सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक कार्यक्रमों में से एक था। स्क्वॉड द्वारा जांचे जा रहे ऑडिट रिकॉर्ड के अनुसार, खर्च की मुख्य मदों में शेड और टेंट-सिटी इंफ्रास्ट्रक्चर पर 35.97 करोड़ रुपये, अक्षत पूजन अभियान पर 30.85 करोड़ रुपये, प्रचार और विज्ञापनों पर 21.77 करोड़ रुपये और सजावट व लाइटिंग पर 14.62 करोड़ रुपये शामिल थे। अन्य खर्चों में भोजन की व्यवस्था (अन्न क्षेत्र) पर 5.11 करोड़ रुपये, धार्मिक अनुष्ठानों पर 1.06 करोड़ रुपये, भक्ति संगीत (राग सेवा) पर 93 लाख रुपये, साउंड सिस्टम पर 68 लाख रुपये, बिजली और मंडल पूजन पर 43-43 लाख रुपये और अन्य तैयारियों पर 51 लाख रुपये शामिल थे।

SIT 11 से 13 जनवरी, 2025 तक आयोजित पहले 'प्रतिष्ठा द्वादशी' समारोह पर हुए खर्च की भी जांच कर रही है। ट्रस्ट के रिकॉर्ड के अनुसार, इस कार्यक्रम पर लगभग 83 लाख रुपये खर्च हुए, जिसमें लाइटिंग और सजावट पर 52 लाख रुपये शामिल हैं। जांचकर्ता 'महाकुंभ' के दौरान श्रद्धालुओं की व्यवस्था पर खर्च किए गए 43 लाख रुपये की भी समीक्षा कर रहे हैं। महाकुंभ दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक आयोजनों में से एक है, जिसके दौरान अयोध्या में बड़ी संख्या में तीर्थयात्री पहुंचे थे।

विदेश मंत्री एस जयशंकर की Bahrain यात्रा! शाह हमद बिन ईसा से की मुलाकात, भारतीय समुदाय की सुरक्षा के लिए जताया आभार

नई दिल्ली एजेन्सी। पश्चिम एशिया में तेजी से बदलते राजनीतिक घटनाक्रमों के बीच भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर अपनी चार देशों की खाड़ी यात्रा के दूसरे चरण में बहरीन पहुंचे। सोमवार को उन्होंने बहरीन के शासक (शाह) हमद बिन ईसा अल खलीफा और युवराज व प्रधानमंत्री सलमान बिन हमद अल खलीफा से मुलाकात की। इस उच्च स्तरीय बैठक में दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक द्विपक्षीय साझेदारी को और मजबूत करने तथा आपसी सहयोग के नए रास्तों पर विस्तृत चर्चा हुई।

खाड़ी क्षेत्र में चार देशों की पांच से 10 जुलाई तक की यात्रा के दूसरे चरण में जयशंकर कतर से बहरीन पहुंचे। उनकी यात्रा के कार्यक्रम में कुवैत और ओमान भी शामिल हैं। जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''बहरीन के शासक हमद बिन ईसा अल खलीफा से भेंट कर सम्मानित महसूस किया। साथ ही, युवराज एवं प्रधानमंत्री सलमान बिन हमद अल खलीफा से भी मुलाकात करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।'' जयशंकर ने बहरीन के शाह को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से शुभकामनाएं एवं अभिवादन प्रेषित किए। उन्होंने बहरीन में रह रहे भारतीय समुदाय की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने के लिए शाह का आभार भी व्यक्त किया। उन्होंने कहा, ''भारत-बहरीन साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए महामहिम के निरंतर मार्गदर्शन को हम अत्यंत महत्व देते हैं। बहरीन में भारतीय प्रवासी समुदाय की सुरक्षा और उनके कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए मैंने उनका धन्यवाद किया।'' इससे पहले, जयशंकर ने बहरीन के विदेश मंत्री अब्दुल्लतीफ बिन राशिद अल जयानी से मुलाकात की और दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ाने तथा क्षेत्र में हो रहे घटनाक्रमों पर चर्चा की।

जयशंकर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''आज मनामा में बहरीन के विदेश मंत्री डॉ. अब्दुल्लतीफ बिन राशिद अल जयानी से मिलकर खुशी हुई। हमने द्विपक्षीय सहयोग को और प्रगाढ़ करने पर चर्चा की। साथ ही, क्षेत्र में हो रहे घटनाक्रमों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया।'' जयशंकर ने बहरीन में भारतीय समुदाय के सदस्यों से भी बातचीत की। अपनी इस यात्रा के दौरान, जयशंकर खाड़ी क्षेत्र के चार देशों के अपने समकक्षों और शीर्ष नेताओं से मिलेंगे, ताकि द्विपक्षीय संबंधों को प्रगाढ़ किया जा सके और क्षेत्रीय घटनाक्रम तथा पारस्परिक हित के मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया जा सके। उनकी यह यात्रा ऐसे समय हो रही है जब अमेरिका-ईरान युद्ध खत्म करने संबंधी समझौते के बाद पश्चिम एशिया में तेजी से राजनीतिक हालात बदल रहे हैं। युद्धविराम से पहले बहरीन पर ईरान द्वारा मिसाइल और ड्रोन हमले किये गए थे।

युद्धविराम कराने के लिए पाकिस्तान के साथ-साथ कतर और ओमान ने भी मध्यस्थता की है। ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार संबंधी हफ्ते भर की रस्मों के पूरा होने के बाद, दोहा में अमेरिका और ईरान के बीच अप्रत्यक्ष वार्ता फिर से शुरू होने वाली है। रविवार को कतर की अपनी यात्रा के दौरान, जयशंकर ने प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान अल-थानी से मुलाकात की तथा ऊर्जा, व्यापार, निवेश, कनेक्टिविटी और सुरक्षा के क्षेत्रों में सहयोग की समीक्षा की। खाड़ी क्षेत्र के चार देशों का दौरा करने के बाद, जयशंकर 13 जुलाई को न्यूयॉर्क जाएंगे, जहां वह संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में 2028-29 के कार्यकाल के लिए भारत के आधिकारिक अभियान की शुरुआत करेंगे। इसके बाद, वह 14-15 जुलाई को ब्रसेल्स में तीसरी भारत-यूरोपीय संघ व्यापार और प्रौद्योगिकी परिषद की बैठक में शामिल होंगे।

योगी आदित्यनाथ का कांग्रेस-सपा पर बड़ा वार, बोले- राम भक्तों पर गोली चलाने वाले आस्था की बात न करें

लखनऊ एजेन्सी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को राम मंदिर के लिए मिले दान में गड़बड़ी के आरोपों को लेकर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर पलटवार किया। उन्होंने सवाल किया कि वक्फ संस्थाओं द्वारा बड़े पैमाने पर ज़मीन पर कब्ज़े के मामले पर विपक्ष क्यों चुप रहा। प्रतापगढ़ में एक जनसभा को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने विपक्षी दलों पर आरोप लगाया कि वे दूसरे मुद्दों को नज़रअंदाज़ करते हुए चुनिंदा तौर पर हिंदू धार्मिक संस्थानों को निशाना बनाते हैं।योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के पास सिर्फ़ दो ही मुद्दे बचे हैं। आपने देखा होगा कि हाल के दिनों में उन्होंने भारत की सनातन आस्था पर हमला करने की कैसी शरारतपूर्ण कोशिशें की हैं। कांग्रेस दावा करती थी कि भगवान राम का कभी अस्तित्व ही नहीं था, या भगवान कृष्ण कभी हुए ही नहीं। देखिए, कांग्रेस और समाजवादी पार्टी–जिन्होंने कभी अयोध्या में बाबरी ढांचे का समर्थन किया था

और उस पर मगरमच्छ के आँसू बहाए थे–वे कैसे गिरगिट की तरह रंग बदल रहे हैं।

योगी ने कहा कि कांग्रेस ने राम के अस्तित्व को ही नकार दिया और समाजवादी पार्टी ने राम भक्तों पर गोलियाँ चलवाईं। उन्हें आस्था के बारे में बात करने का क्या हक़ है–वे लोग जो हिंदू विरासत से जुड़े धार्मिक स्थलों के जीर्णोद्धार के लिए तय फंड को कब्रिस्तान की चारदीवारी बनाने में खर्च कर देते थे? वे किस तरह की आस्था की बात कर रहे हैं?... यह देश अब कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के जाल में नहीं फँसेगा।राम मंदिर से जुड़े दान और वित्तीय प्रबंधन के आरोपों को लेकर विपक्ष के हमलों का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने पूछा कि उस ज़मीन का क्या हुआ जिस पर वक्फ़ ने कब्ज़ा कर लिया है? किसी खास नेता का नाम लिए बिना आदित्यनाथ ने कहा कि कुछ पार्टियां मंदिर को लेकर विवाद खड़ा करने की कोशिश कर रही हैं, जबकि करोड़ों भक्तों के लिए इसका बहुत महत्व है। ये टिप्पणियां राम मंदिर से जुड़े चंदे और वित्तीय लेन-देन के आरोपों को लेकर चल रही राजनीतिक खींचतान के बीच आई हैं। इस मुद्दे ने विपक्षी दलों को भाजपा सरकार और मंदिर ट्रस्ट को निशाना बनाने का नया मौका दे दिया है।

भारत से ब्रह्मोस मिसाइल खरीदेगा इंडोनेशिया, ऑपरेशन सिंदूर में इस्तेमाल अस्त्र मिसाइल की भी डील; मोदी को इंडोनेशिया का सर्वोच्च सम्मान

नई दिल्ली एजेन्सी। भारत-इंडोनेशिया के बीच मंगलवार को जकार्ता में 20 समझौते हुए। सबसे अहम ब्रह्मोस डील रही। इसको लेकर दोनों देशों के बीच पिछले 4 महीने से बातचीत चल रही थी।

भारत इंडोनेशिया को ब्रह्मोस मिसाइल की अतिरिक्त यूनिट देगा। इसी के साथ फिलीपींस, वियतनाम के बाद इंडोनेशिया ब्रह्मोस खरीदने वाला तीसरा देश बन गया है।

इंडोनेशिया ने ऑपरेशन सिंदूर में इस्तेमाल भारतीय 'अस्त्र' एयर-टू-एयर मिसाइल खरीदने का भी फैसला किया है। वहीं भारत इंडोनेशिया के लिए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (EVM) विकसित करने में भी मदद करेगा।

ये समझौते पीएम मोदी और इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के बीच द्विपक्षीय बैठक के दौरान हुए।

मंगलवार को पीएम मोदी के इंडोनेशिया दौरे का दूसरा दिन है। राष्ट्रपति प्रबोवो ने उन्हें इंडोनेशिया का सर्वोच्च सम्मान दिया।

पीएम शाम को जकार्ता में भारतीय समुदाय को संबोधित करेंगे। वे बुधवार को इंडोनेशिया के सबसे बड़े हिंदू मंदिर प्रम्बानन जाएंगे। यह मंदिर 1000 साल से ज्यादा पुराना है।

पीएम मोदी को इंडोनेशिया का सर्वोच्च सम्मान मिला

इंडोनेशिया के राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'बिंतांग आदिपूर्णा ऑफ द रिपब्लिक ऑफ इंडोनेशिया' मेडल ऑफ ऑनर से सम्मानित किया। यह इंडोनेशिया का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है।

मोदी बोले- दुनिया में उथल-पुथल, हम शांति के समर्थन में

दुनिया में मची उथल-पुथल के इस दौर में भारत का मानना ??है कि बातचीत और कूटनीति की भूमिका पहले से कहीं ज्यादा अहम हो गई है। फिलिस्तीन के मुद्दे पर, हम 'टू-स्टेट सॉल्यूशन' (दो-देश समाधान) और लंबे समय

तक शांति का समर्थन करते हैं।

हमारे दोनों देशों के लिए एक सुनहरा दौर आने वाला है। हमारे इतिहास में एक जैसी संस्कृति, वर्तमान में आपसी भरोसा और भविष्य में साझा समृद्धि है। मुझे पूरा भरोसा है कि हम मिलकर 'इंडोनेशिया एमास' (स्वर्ण इंडोनेशिया) और एक विकसित भारत के सपने को साकार करेंगे।

लोकतांत्रिक मूल्य और विविधता में एकता, भारत और इंडोनेशिया दोनों की साझा ताकत रही है। हम दोनों देशों के चुनाव आयोगों के बीच रूश्च के जरिए अपने लोकतांत्रिक सहयोग को और मजबूत करने जा रहे हैं।

वैश्विक मुद्दों पर भी भारत और इंडोनेशिया के बीच सहयोग लगातार बढ़ रहा है। इंडो-पैसिफिक को लेकर भी हमारे नजरिए में तालमेल है। भारत ने हमेशा आसियान (ASEAN) की केंद्रीय भूमिका को खास अहमियत दी है।

मोदी बोले- भारत-इंडोनेशिया में सप्लाई चेन को मजबूत करना जरूरी

पीएम मोदी ने कहा- तकनीक के दौर में सप्लाई चेन मजबूत करना बेहद जरूरी है। भारत और इंडोनेशिया ने क्रिटिकल मिनरल्स और स्टील सेक्टर की सप्लाई चेन को मजबूत करने पर अहम समझौता किया है। साथ ही स्टेनलेस स्टील और रेयर अर्थ मैग्नेट के क्षेत्र में दोनों देशों की कंपनियां नई साझेदारी करेंगी। भारत का UPI जल्द ही इंडोनेशिया के पेमेंट सिस्टम से जुड़ेगा। इससे दोनों देशों के बीच कारोबार करना और यात्रा करना आसान होगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि वे बुधवार को राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के साथ योग्याकार्ता स्थित प्रांबानन मंदिर जाएंगे। एक हजार साल से अधिक पुराना यह मंदिर भारत और इंडोनेशिया की साझा सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है।

एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत बीएसएफ जवानों संग रोटरी अप्राइज़ ने 200 से अधिक पौधारोपण कर लिया हरियाली का संकल्प

बीकानेर,(खबर आस पास)। 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत मंगलवार को बीएसएफ के जयपुर रोड स्थित मुख्य परिसर के गोल्फ ग्राउंड में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। डीआईजी बीएसएफ अजय लूथरा के नेतृत्व में आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम में बीएसएफ सेकंड-इन-कमांड अजय शर्मा उपस्थित रहे। रोटरी अपराइज अध्यक्ष रुचि दफ्तरी ने बताया कि क्लब के सहयोग से आयोजित इस अभियान के दौरान लगभग 200 पौधों का रोपण किया गया। इनमें साइकस पॉम, पेल्टोफोरम, बोगनवेलिया सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे शामिल रहे। सभी ने पौधों के संरक्षण एवं नियमित देखभाल का संकल्प भी लिया।इस अवसर पर बीएसएफ सेकंड-इन-कमांड अजय शर्मा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। वृक्षारोपण तभी सार्थक होगा जब लगाए गए पौधों का संरक्षण भी सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने बीएसएफ परिसर को अधिक हरित बनाने के इस प्रयास की सराहना की।

कार्यक्रम में रोटरी अपराइज की अध्यक्ष रुचि दफ्तरी, सचिव पारुल अग्रवाल, कोषाध्यक्ष नेहा ओझा, प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर शिप्रा शंकर तथा क्लब सदस्य निमिता अग्रवाल विनीता डूडी उपस्थित रहे। सभी ने वृक्षारोपण अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

बीकानेर के 18 वर्षीय एंटरप्रेन्योर महीप पुरोहित ने विकसित की एआई आधारित पाइपलाइन निरीक्षण प्रणाली, मिला पेटेंट

(खबर आस पास)

बीकानेर श्रेयांस बैद। अधिकांश किशोर जहां पढ़ाई और करियर की दिशा तय करने में व्यस्त रहते हैं, वहीं बीकानेर के युवा एंटरप्रेन्योर महीप पुरोहित ने मात्र 15 वर्ष की आयु में तकनीक के माध्यम से वास्तविक समस्याओं का समाधान खोजने का संकल्प लिया। वर्षों की मेहनत, शोध और नवाचार के बाद उनके आविष्कार एआईपीआईएस (AIPIS - Artificial Intelligence Pipeline Inspection System) को आधिकारिक रूप से पेटेंट ग्रांट हो गया है।

एआईपीआईएस एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित पाइपलाइन निरीक्षण प्रणाली है, जिसे पानी, तेल, गैस तथा अन्य औद्योगिक पाइपलाइनों की लगातार निगरानी के लिए विकसित किया गया है। यह प्रणाली अत्याधुनिक सेंसर और एआई तकनीक की सहायता से पाइपलाइन में होने वाले जंग (Corrosion), रिसाव (Leakage), दबाव में असामान्यता (Pressure Anomalies) तथा संभावित तकनीकी खराबियों के शुरुआती संकेतों का पता लगाकर समय रहते चेतावनी देती है। इससे दुर्घटनाओं और पर्यावरणीय नुकसान की संभावना कम होगी, पाइपलाइन सुरक्षा बढ़ेगी और रखरखाव की लागत में भी उल्लेखनीय कमी आएगी।

महीप की यह उपलब्धि किसी एक दिन की सफलता नहीं, बल्कि 4 वर्षों की मेहनत, अध्ययन और निरंतर प्रयोगों का परिणाम है। उन्होंने कम उम्र में ही कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT), सेंसर तकनीक और आधुनिक इंजीनियरिंग का अध्ययन शुरू किया तथा उद्योगों की वास्तविक समस्याओं के समाधान पर कार्य किया। अनेक चुनौतियों और असफलताओं के बावजूद उन्होंने अपने प्रयास जारी रखे, जिसका परिणाम आज पेटेंट के रूप में सामने आया है।

महीप ने कहा कि 15 वर्ष की आयु में उन्होंने केवल एक सपना देखा था कि ऐसी तकनीक विकसित करें जो समाज और उद्योगों की वास्तविक समस्याओं का समाधान कर सके। पेटेंट मिलना उनके लिए गर्व का विषय है, लेकिन वे इसे अपनी मंजिल नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत मानते हैं। उनका लक्ष्य ऐसी और तकनीकों का विकास करना है, जो देश और दुनिया के लिए उपयोगी साबित हों। उन्होंने युवाओं से भी अपनी उम्र नहीं, बल्कि अपने विचारों और क्षमता पर विश्वास रखने का आह्वान किया।

सम सेमेस्टर जून परीक्षा-2026 के परीक्षा आवेदन शुरू, 8 जुलाई से होंगे ऑनलाइन आवेदन

(खबर आस पास)

बीकानेर श्रेयांस बैद। महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय (एमजीएसयू), बीकानेर ने सम सेमेस्टर जून परीक्षा-2026 के लिए ऑनलाइन परीक्षा आवेदन प्रक्रिया प्रारम्भ करने की अधिसूचना जारी कर दी है। विश्वविद्यालय की वेबसाइट एवं परीक्षा पोर्टल के माध्यम से विद्यार्थी 8 जुलाई से ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। निर्धारित तिथियों में बिना विलंब शुल्क, विलंब शुल्क तथा दोगुने परीक्षा शुल्क के साथ आवेदन करने की सुविधा उपलब्ध रहेगी। विश्वविद्यालय ने परीक्षा आवेदन से संबंधित विस्तृत कार्यक्रम एवं दिशा-निर्देश भी जारी कर दिए हैं।

परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजाराम चोयल ने बताया कि स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के विभिन्न नियमित, भूतपूर्व, स्वयंपाठी तथा संबद्ध महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए परीक्षा आवेदन निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ऑनलाइन भरे जाएंगे। विद्यार्थियों को आवेदन पत्र भरने के बाद आवश्यक दस्तावेज समय पर संबंधित महाविद्यालय में जमा कराने होंगे, ताकि परीक्षा आवेदन प्रक्रिया में किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना समय रहते ऑनलाइन आवेदन करें तथा आवेदन भरते समय अपनी व्यक्तिगत जानकारी, विषय एवं श्रेणी का सावधानीपूर्वक सत्यापन कर लें। किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या अथवा जानकारी के लिए विश्वविद्यालय द्वारा जारी हेल्पलाइन नंबरों पर संपर्क किया जा सकता है। परीक्षा आवेदन से संबंधित विस्तृत कार्यक्रम, शुल्क एवं दिशा-निर्देश विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट तथा परीक्षा पोर्टल पर उपलब्ध हैं। विद्यार्थियों को केवल अधिकृत वेबसाइट के माध्यम से ही आवेदन करने की सलाह दी गई है।

रीट की तैयारी का झांसा देकर बलात्कार करने के आरोपी शिक्षक को निलंबित करने के निर्देश

(खबर आस पास)

जयपुर। भरतपुर डीग के समाचार पत्रों में प्रकाशित शिक्षक द्वारा रीट की तैयारी का झांसा देखकर बलात्कार करने के समाचार पर तत्काल संज्ञान लेते हुए शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री श्री मदन दिलावर ने आरोपी शिक्षक रणधीर सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के निर्देश निदेशक शिक्षा राजस्थान सरकार श्री सीताराम जाट को दिए है। आरोपी शिक्षक रणधीर सिंह डीग जिले के ब्लॉक डीग के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बरौली चौथ में प्रधानाचार्य के पद पर कार्यरत है।

प्रधानाचार्य के खिलाफ भरतपुर जिले के उद्योग नगर थाने में रीट की तैयारी कर रही एक बालिका द्वारा झांसा देकर बलात्कार करने की एफ आई आर दर्ज कराई गई है ।

प्रधानाचार्य के विरुद्ध नैतिक पतन से संबंधी ?फ आई आर दर्ज होने के कारण विभाग की छवि धूमिल हुई है । जिस पर संज्ञान लेते हुए शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री श्री मदन दिलावर ने उक्त आरोपी प्रधानाचार्य को निलंबित करने के निर्देश दिए हैं ।

ज़िला कलेक्टर ने बीकानेर में जिला प्रवासी प्रकोष्ठ का किया गठन

प्रवासी राजस्थानियों से सतत संवाद, निवेश और सामाजिक सहयोग को मिलेगा बढ़ावा

बीकानेर श्रेयांस बैद, (खबर आस पास)। राज्य सरकार के निर्देशों की अनुपालना में जिले से देश-विदेश में निवासरत प्रवासी राजस्थानियों (एनआरआर) के साथ निरंतर संपर्क स्थापित करने, उनकी समस्याओं के त्वरित समाधान, निवेश को प्रोत्साहन तथा सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिला स्तर पर जिला प्रवासी प्रकोष्ठ का गठन किया गया है।

जिला कलक्टर निशांत जैन ने आदेश जारी कर अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रशासन) को प्रकोष्ठ का नोडल अधिकारी तथा जिला उद्योग एवं वाणिज्य केंद्र के महाप्रबंधक को सहायक नोडल अधिकारी एवं सदस्य सचिव बनाया है।

इसके अलावा जिला परिषद, बीकानेर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, समाज कल्याण विभाग, शिक्षा विभाग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग तथा रोजगार विभाग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों को प्रकोष्ठ का सदस्य नामित किया गया है।

जिला कलक्टर ने बताया कि प्रकोष्ठ का मुख्य उद्देश्य जिले से जुड़े प्रवासी राजस्थानियों के साथ प्रभावी समन्वय स्थापित करना, उनकी समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना तथा जिले के विकास में उनकी सहभागिता को बढ़ावा देना है। इसके माध्यम से प्रवासी राजस्थानियों के निवेश प्रस्तावों, सामाजिक विकास कार्यों तथा स्थानीय विकास से जुड़े प्रयासों को भी गति मिलेगी।

आदेश के अनुसार जिला प्रवासी प्रकोष्ठ द्वारा जिले का एनआरआर (Non-Resident Rajasthanis) डेटाबेस तैयार किया जाएगा, जिसमें जिले से देश-विदेश में निवासरत प्रवासियों का विवरण नियमित रूप से अद्यतन रखा जाएगा। साथ ही प्रवासी राजस्थानियों, स्वयंसेवी संस्थाओं एवं सीएसआर के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, खेल तथा अन्य सामाजिक विकास कार्यों का समन्वय भी किया जाएगा।

ज़िला कलेक्टर ने बताया कि प्रकोष्ठ प्रवासी राजस्थानियों के साथ नियमित संवाद एवं सम्मेलन आयोजित करेगा, जिससे जिले के विकास से जुड़े सुझाव प्राप्त किए जा सकें। इसके अतिरिक्त विभिन्न माध्यमों से प्राप्त शिकायतों एवं स्थानीय मुद्दों का संबंधित विभागों के समन्वय से त्वरित निस्तारण भी सुनिश्चित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि प्रत्येक माह की 5 तारीख तक प्रकोष्ठ की गतिविधियों एवं प्रगति की रिपोर्ट राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रवासी राजस्थानियों कार्य विभाग (डीओआरए) मुख्यालय को प्रेषित की जाएगी। जिला कलक्टर ने सभी नामित अधिकारियों को निर्धारित कार्यों का गंभीरता एवं समयबद्धता के साथ निर्वहन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

जिला कलेक्टर ने की ग्रामीण-शहरी सेवा शिविर, हरियालो राजस्थान और संपर्क पोर्टल की समीक्षा बैठक,गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पर दिया जोर

सेवा शिविरों में हर पात्र व्यक्ति को मिले समयबद्ध राहत : निशांत जैन,जिला कलेक्टर

(खबर आस पास)

बीकानेर श्रेयांस बैद। जिला कलेक्टर निशांत जैन ने मंगलवार शाम कलेक्ट्रेट सभागार में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविर-2026, 'हरियालो राजस्थान' अभियान तथा संपर्क पोर्टल पर लंबित परिवेदनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सभी प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सेवा शिविरों का उद्देश्य आमजन को त्वरित राहत प्रदान करना है, इसलिए प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ प्रभावी ढंग से पहुंचे।

जिला कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविरों में अधिकतम जनभागीदारी सुनिश्चित की जाए तथा लाभार्थियों का संपूर्ण एवं सही विवरण दर्ज किया जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की गलत रिपोर्टिंग से बचें तथा जो भी प्रकरण नियमानुसार स्वीकार्य हैं, उनका तत्काल निस्तारण किया जाए। उन्होंने शिविरों के दौरान सरकारी विद्यालयों, महाविद्यालयों, सार्वजनिक भवनों, चारागाह एवं अन्य सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाने, फार्मर रजिस्ट्री पूर्ण करने, खाद्य सुरक्षा योजना के लाभार्थियों का शत-प्रतिशत सत्यापन करने, मूल निवास एवं जाति प्रमाण-पत्र अधिकाधिक जारी करने तथा सार्वजनिक संस्थाओं के लिए भूमि आवंटन संबंधी प्रकरणों का प्राथमिकता से निस्तारण करने के निर्देश दिए। साथ ही कम प्रगति वाली तहसीलों को विशेष प्रयास कर प्रगति बढ़ाने के लिए कहा। जैन ने रास्तों से जुड़े प्रकरणों के अधिकाधिक निस्तारण, एसडीएम न्यायालयों में लंबित रास्ता प्रकरणों का संबंधित ग्राम पंचायतों के सेवा शिविरों में समाधान, सहमति के आधार पर अधिकाधिक खाता विभाजन, खाता शुद्धिकरण के मामलों में वृद्धि, ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त घोषित करने तथा अधिकाधिक निक्षय मित्र बनाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि जिन ग्राम पंचायतों में सेवा शिविर आयोजित हो चुके हैं, वहां भी लंबित परिवेदनाओं का निस्तारण कर प्रगति में सुधार किया जा सकता है।

'हरियालो राजस्थान' अभियान की समीक्षा करते हुए जिला कलेक्टर ने वन विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों को निर्धारित लक्ष्य समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने जल संरक्षण जनभागीदारी अभियान तथा कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान के माध्यम से भी अधिकाधिक वाटर रिचार्ज स्ट्रक्चर विकसित करने पर बल दिया। बैठक में उपवन संरक्षक जी वैंकटेश ने बताया कि अभियान के अंतर्गत जिले को 43 लाख पौधे रोपित करने का लक्ष्य मिला है, जबकि जिले की लगभग 30 नर्सरियों में 46 लाख पौधे तैयार किए गए हैं। सरकारी विभागों को पौधे 50 प्रतिशत रियायती दर पर उपलब्ध कराए जाएंगे तथा इनकी खरीद ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यमों से की जा सकेगी।

शहरी सेवा शिविरों की समीक्षा के दौरान जिला कलेक्टर ने धारा 69-ए एवं कच्ची बस्ती नियमन सहित विभिन्न प्रावधानों के तहत पात्र नागरिकों को अधिकतम लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए। वहीं संपर्क पोर्टल पर लंबित परिवेदनाओं की समीक्षा करते हुए उन्होंने सभी प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण एवं निर्धारित समय सीमा में निस्तारण सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया।

बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर (प्रशासन)उम्मेद सिंह रतनू, नगर निगम आयुक्त सिद्धार्थ पलानीचामी, उपवन संरक्षक जी वैंकटेश सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी उपखंड अधिकारियों, तहसीलदारों, विकास अधिकारियों एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों ने भी बैठक में भाग लिया।

खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई,कैफिनेटेड बेवरेज 'रेड बुल' के 608 कैन सीज

(खबर आस पास)

बीकानेर श्रेयांस बैद। राज्य में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण विभाग आयुक्त डॉ. टी. शुभमंगला के निर्देशन में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत जिले के खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने रानी बाजार औद्योगिक क्षेत्र स्थित मैसर्स बोथरा एंड संस के प्रतिष्ठान एवं गोदाम पर निरीक्षण एवं नमूनीकरण की कार्रवाई की। सीएमएचओ डॉ. पुखराज साध ने बताया कि निरीक्षण के दौरान कैफिनेटेड बेवरेज रेड बुल का खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम (एफएसएसएआई अधिनियम) के तहत नमूना लिया गया तथा जांच रिपोर्ट प्राप्त होने तक उक्त उत्पाद के 608 कैन सीज किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एफएसएसएआई) के अनुसार कैफिनेटेड बेवरेज के लेबल पर 'स्टिम्युलेट्स माइंड ', 'एनर्जाइज बॉडी ', 'एनर्जी ड्रिंक' अथवा 'स्पोर्ट्स ड्रिंक' जैसे दावों का उल्लेख भ्रामक प्रचार की श्रेणी में माना जाता है। इसी संबंध में एफएसएसएआई द्वारा विभिन्न प्रमुख बेवरेज ब्रांडों को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण भी मांगा गया है।

डॉ. साध ने बताया कि अधिक कैफीन युक्त ऐसे पेय पदार्थ गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं, बच्चों तथा कैफीन के प्रति संवेदनशील व्यक्तियों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकते हैं। इसलिए खाद्य सुरक्षा मानकों की अनुपालना सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह कार्रवाई की गई है। उन्होंने बताया कि लिए गए नमूने को जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला, बीकानेर भेजा जाएगा। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार अग्रिम नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।इस कार्रवाई में खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्रवण कुमार वर्मा, भानु प्रताप सिंह, सुरेंद्र कुमार तथा राकेश गोदारा शामिल रहे।

विप्र सेना चलाएगी गूगल फॉर्म और ऐप द्वारा डिजिटल सदस्यता अभियानः डॉ.मेघना शर्मा

(खबर आस पास)

बीकानेरः विप्र सेना राजस्थान की प्रदेश कोर कमेटी एवं संभाग स्तरीय प्रमुख पदाधिकारियों की संगठनात्मक बैठक जयपुर में आयोजित हुई। बैठक से लौटकर बीकानेर की मीडिया से बात करते हुए विप्र सेना की राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ.मेघना शर्मा ने बताया कि स्थापना के पांच वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित इस चिंतन-सत्र में प्रदेशभर से आए पदाधिकारियों-कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। डॉ.शर्मा ने कहा कि आगामी योजना के तहत विप्र सेना ऐप के माध्यम से देशव्यापी डिजिटल सदस्यता अभियान चलाकर संगठन की विचारधारा को पुष्ट करेगी। डॉ.मेघना ने विप्र सेना का वार्षिक कैलेंडर निकाले जाने की बात को सराहनीय पहल बताते हुए कहा कि आगामी समय में प्रदेश युवा अधिवेशन , महिला अधिवेशन, प्रदेश वरिष्ठ चिंतन अधिवेशन, ब्रह्म चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज़ का प्रदेश अधिवेशन तथा संभाग स्तरीय विप्र जागृति रथ यात्रा सहित अनेक महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम भी संगठन द्वारा आयोजित किए जाएंगे। कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष दिनेश दादिया ने संगठन के पुनर्गठन, संविधान निर्माण, प्रशिक्षण व्यवस्था और सेवा आधारित कार्यक्रमों की कार्ययोजना प्रस्तुत की। बीकानेर टीम से इंद्र कुमार शर्मा, पवन सारस्वत, धर्मेंद्र सारस्वत बैठक में शामिल रहे। राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ.सर्वेश शरण जोशी ने विप्र हेल्थ केयर फेडरेशन ऑफ इंडिया के विस्तार तथा चिकित्सा सेवा प्रकल्पों की जानकारी दी

समापन सत्र में विप्र सेना के राष्ट्रीय प्रमुख सुनील तिवाड़ी ने सेवा, संस्कार, संगठन और सामाजिक नेतृत्व को भावी दिशा बताया। महिला प्रकोष्ठ के सत्र में बीकानेर की डॉ.मेघना के अलावा प्रदेश अध्यक्ष पूनम आचार्य, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मधु शर्मा, प्रियंका शर्मा, पुष्पा वशिष्ठ, ज्योति आशीर्वाद आदि ने भी समाज निर्माण में महिलाओं की भागीदारी व भूमिका पर सारगर्भित विचार व्यक्त किए।

'ऑपरेशन नीलकंठ' में 400 ग्राम अफीम के साथ तस्कर गिरफ्तार

बीकानेर (खबर आस पास): जिले में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान को बीकानेर पुलिस ने एक बार फिर बड़ी सफलता दिलाई है। एसपी मृदुल कच्छावा के निर्देश पर जिला स्पेशल टीम और नयाशहर थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई कर अफीम तस्कर को गिरफ्तार किया है। सूत्रों के मुताबिक नयाशहर थाना क्षेत्र निवासी बजरंग सीगड़ को पुलिस ने अफीम सहित धर दबोचा। बरामद अफीम की अनुमानित मात्रा करीब 400 ग्राम बताई जा रही है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। यह पूरी कार्रवाई एसपी मृदुल कच्छावा के निर्देशन में 'ऑपरेशन नीलकंठ' के तहत अंजाम दी गई। डीएसटी से मिले इनपुट के आधार पर डीएसटी प्रभारी विश्वजीत सिंह और नयाशहर थानाधिकारी कविता पूनिया के नेतृत्व में टीम ने दबिश देकर आरोपी को गिरफ्तार किया।